हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

वर्ष:5 अंक:159 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये

pathpravah.com

हरिद्वार, सोमवार, 15 जून 2026

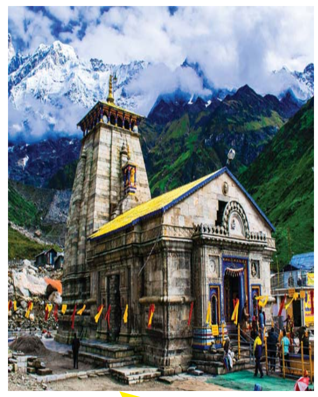

विकास–सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है देश: मुख्यमंत्री

'जन–जन की सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम में गिनाई केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां

पथ प्रवाह, खटीमा।

सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तीन दिवसीय खटीमा प्रवास के दौरान रविवार को शहीद हरी किशन शिक्षण संस्थान, बगुलिया में आयोजित जन-जन की सरकार, मुख्य सेवक आपके द्वार कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का फूल मालाओं, थारू सांस्कृतिक नृत्य के साथ एवं अंगवस्त्र ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित पंचमुखी हनुमान तस्वीर भेंट की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरिक्षण किया एवं ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत सदभावना सीएलएफ द्वारा संचालित दीदी कैफे का फीता काटकर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आयोजित 'जन-जन की सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवाओं के हित में ऐतिहासिक फैसले लेकर देश को नई दिशा देने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, मुफ्त राशन, उज्ज्वला योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने पारदर्शिता और तकनीक के माध्यम से भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण किया है तथा योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाया है। उत्तराखंड सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, पर्यटन और हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू कर ऐतिहासिक पहल की है और नकल विरोधी कानून लागू कर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है तथा भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है और 'जन-जन की सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम इसी संकल्प को मजबूत करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने खटीमा को अपना परिवार बताते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और भविष्य में भी विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से राज्य को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के संकल्प में सहभागी बनने का आह्वान किया।

सरकार जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील

जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि धामी सरकार प्रदेश की जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी केवल खटीमा ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड की जनता की समस्याओं के प्रति सजग रहते हैं और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा कि खटीमा मुख्यमंत्री का गृह क्षेत्र होने के कारण उनसे इस क्षेत्र का विशेष भावनात्मक जुड़ाव है। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में क्षेत्र की छोटी से छोटी समस्या का भी गंभीरता से समाधान किया जा रहा है। वहीं जिन मामलों का समाधान शासन स्तर पर आवश्यक होता है, उन्हें तत्काल मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाया जाता है ताकि उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। अजय मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में खटीमा सहित पूरे क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा है।

विभागों ने लाभार्थियों को दी अनुदान और धनराशि

कार्यक्रम में मत्स्य विभाग द्वारा ओर्नामेंटल फिश यूनिट निर्माण कार्य के लिए संजीत कुमार को 1 लाख, 80 हजार एवं परदेशी राय को 1 लाख 20 हजार की धनराशि से लाभान्वित किया गया। कृषि विभाग द्वारा रुद्रपुर के शशिकांत वर्मा कृषि समाधान समिति सैजनी, सृजन स्वयं सहायता समूह खटीमा, राधा स्वयं सहायता समूह, मटिहा सितारगंज को 80 प्रतिशत अनुदान पर फार्म मशीनरी बैंक स्थापना हेतु 7.12 लाख एवं स्वायत सहकारिता गोलू स्वयं सहायता समूह भगचुरी खटीमा को 9.18 का अनुदान से लाभान्वित किया गया एवं 22 किसानों को रासायनिक उर्वरक वितरण किये गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा 10 लोगों को सहायक उपकरण वितरित किये गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जननी सुरक्षा योजना से 5 महिलाओं को लाभान्वित किया गया। सहकारिता विभाग द्वारा प0 दीन दयाल योजना के अंतर्गत शून्य ब्याज दरों पर 1 लाख रूपये प्रति व्यक्ति से 8 लोगों को ऋण का चेक वितरित किया गया।

कार्यक्रम में इनकी रही गरिमापूर्ण उपस्थिति

इस अवसर पर दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, रणजीत सिंह नामधारी, किशन सिंह किन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी, जिला पंचायत सदस्य सागर सिंह धामी, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, अध्यक्ष नगर पंचायत नानकमत्ता प्रेम सिंह टुरना, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र राणा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तम सिंह नेगी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं जनता उपस्थित थे।

एक नजर

'ईरान अमेरिका के साथ समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य में टोल न लेने पर सहमत हुआ'

मास्को। ईरान अमेरिका के साथ एक समझौते के तहत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाज़ों से टोल न लेने पर सहमत हो गया है। फॉक्स न्यूज़ ने सूत्र के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। चैनल ने बताया है कि ईरान उस रणनीतिक जलडमरूमध्य को खोल देगा जहाँ कोई टोल नहीं लिया जाएगा। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चैनल को बताया कि अगर यह समझौता हो जाता है, तो ईरान के जलडमरूमध्य खोलने के साथ ही अमेरिका नाकेबंदी हटा लेगा, जिसके बाद बारूदी सुरंगें हटाने का काम शुरू होगा। इससे पहले, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि ईरान और ओमान जल्द ही होर्मुज़ जलडमरूमध्य में शिपिंग मैनेजमेंट पर एक संयुक्त बयान जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि टोल लेने के बारे में कोई बात नहीं हुई है, लेकिन सेवाओं के लिए शुल्क लिए जाने की उम्मीद है।

मोदी और मैक्रों ने द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा सहयोग को अधिक सशक्त बनाने पर सहमति व्यक्त की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को फ्रांस के शहर नीस स्थित विला केरीलोस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और रक्षा प्लेटफार्म तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों के सह सह-डिज़ाइन, सह-विकास और सह-उत्पादन पर पर जोर देते हुए रक्षा सहयोग को अधिक सशक्त बनाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों देश अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लिए एक उच्च स्तरीय तंत्र स्थापित करने पर भी राजी हुए। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में नवाचार और प्रौद्योगिकी साझेदारी को दीर्घकालिक दिशा प्रदान करने के लिए 'नवाचार रोड़मैप 2030' को अपनाया। फ्रांस की यात्रा पर गये श्री मोदी ने श्री मैक्रों के साथ ' भारत इनोवेट' प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक में संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा की। इस वर्ष के शुरू में भारत-फ्रांस संबंधों को 'विशेष वैश्विक सामरिक साझेदारी' के स्तर तक उन्नत किए जाने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली बैठक थी। दोनों नेताओं ने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की उत्कृष्ट प्रगति और गहराई पर संतोष व्यक्त किया तथा रक्षा मंचों और उन्नत प्रौद्योगिकियों के सह-डिज़ाइन, सह-विकास और सह-उत्पादन पर विशेष ध्यान देते हुए इसे और अधिक सशक्त बनाने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग की समृद्ध विरासत का उल्लेख किया और मानव अंतरिक्ष उड़ान तथा अंतरिक्ष जागरूकता के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र के सहयोग का विस्तार करने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया। असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया गया कि भारत का शांति अधिनियम सहयोग के नए अवसर प्रदान करता है, जिनमें छोटे और उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टरों पर सहयोग भी शामिल है। दोनों पक्षों ने 'होराइजन 2047 रोडमैप' के अंतर्गत हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी और नवाचार, प्रतिभा गतिशीलता तथा लोगों के बीच और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ और विविधतापूर्ण बनाने के लिए ठोस विचार साझा किए। इस संदर्भ में उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि का उल्लेख किया और अगले पाँच वर्षों में इसे दोगुना करने के लिए एक उच्च-स्तरीय तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र क्रियान्वयन का आह्वान किया, जो द्विपक्षीय व्यापार और निवेश के विस्तार का एक विशिष्ट अवसर प्रदान करता है। नेताओं ने लघु एवं मध्यम उद्यम, विमानन और रेलवे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की। उन्होंने कानपुर में वैमानिकी कौशल विकास हेतु उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के समझौते का स्वागत किया। आर्थिक सुरक्षा पर संवाद की स्थापना का स्वागत करते हुए दोनों नेताओं ने विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला की सुदृढ़ता को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

कैंची धाम में खाकी ने किया शर्मसार, एसएसपी का कड़ा प्रहार, दो पुलिसकर्मी

पथ प्रवाह, नैनीताल।

कैंची धाम स्थापना दिवस जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा अनुशासनहीनता और आपराधिक कृत्य का मामला सामने आने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ मंजूनाथ टीसी ने तुरंत कड़ा एक्शन लिया और स्पष्ट संदेश दिया कि खाकी की गरिमा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, अपर उपनिरीक्षक जगदीश प्रसाद (थाना केलाखेड़ा, उधम सिंह नगर) और हेड कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार (थाना गदरपुर, उधम सिंह नगर) कैंची धाम ड्यूटी में तैनात थे। आरोप है कि दोनों पुलिसकर्मी रात्रि के समय एक होमस्टे में रुके, जहां उन्होंने अत्यधिक शराब का सेवन किया। नशे की हालत में उन्होंने होमस्टे संचालक के परिवार की युवती के साथ छेड़छाड़ की, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई।

जब परिजनों और स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, तो दोनों पुलिसकर्मियों ने अभद्रता करते हुए मारपीट तक कर डाली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया और तत्काल सीओ, एसपी सहित वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। स्थानीय लोगों की मौजूदगी में दोनों आरोपियों का अल्कोहल टेस्ट कराया गया, जिसमें शराब के सेवन की पुष्टि हुई। इसके बाद दोनों को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर कोतवाली भवाली में नामजद एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस घटना को गंभीर मानते हुए पुलिस विभाग ने दोनों आरोपितों को निलंबित कर दिया है और उनके खिलाफ कठोर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जिसमें सेवा से बर्खास्तगी तक की प्रक्रिया शामिल है। साथ ही उनके मूल जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी पूरे प्रकरण की रिपोर्ट भेज दी गई है। एसएसपी ने साफ कहा कि धार्मिक ड्यूटी के दौरान इस तरह का कृत्य न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि पुलिस की साख को भी गहरा नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी है कि ड्यूटी के दौरान नशाखोरी, अनुशासनहीनता या किसी भी प्रकार का आपराधिक व्यवहार करने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि कानून सबके लिए समान है–चाहे वह आम नागरिक हो या वर्दीधारी।

एक नजर

सड़क किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, वाहन की टक्कर से मौत की आशंका

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद के पिरान कलियर थाना क्षेत्र के ग्राम बाजूहेड़ी के पास कांवड़ पटरी पर सड़क किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत होने की आशंका जताई जा रही है।

रविवार सुबह राहगीरों ने कांवड़ पटरी के किनारे एक व्यक्ति को घायल अवस्था में पड़ा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई की और शव को रुड़की सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

पुलिस के अनुसार मृतक के हाथ पर नसीम नाम का टैटू गुदा हुआ है। उसने गले में काला गमछा पहन रखा था तथा नेवी ब्लू रंग की नेकर और आसमानी-सफेद रंग की चेकदार लुंगी पहनी हुई थी। कलियर कोतवाली प्रभारी एवं सीओ ने बताया कि मृतक प्रथम दृष्टया घुमंतू प्रवृत्ति का प्रतीत हो रहा है। उसकी पहचान कराने के लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि यदि किसी को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल पुलिस से संपर्क करें।

कड़ी सुरक्षा, पुख्ता इंतजाम के बीच शुरू हुई स्नातक स्तरीय परीक्षा, एसपी चमोली ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

पथ प्रवाह, चमोली। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित स्नातक स्तरीय पदों की लिखित परीक्षा रविवार को जनपद चमोली में शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण में प्रारंभ हो गई। परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए चमोली पुलिस द्वारा व्यापक और बहुस्तरीय सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि, अनुचित साधनों के प्रयोग अथवा कानून व्यवस्था संबंधी स्थिति से निपटने के लिए सभी संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पँवार ने स्वयं परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा एवं पुलिस प्रबंधन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर नियुक्त पुलिस बल, एवं कॉलेज प्रबंधन को परीक्षा की निष्पक्षता, गोपनीयता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी चमोली द्वारा सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को परीक्षा समाप्ति तक लगातार भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर सतत निगरानी बनाए रखने, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। चमोली पुलिस द्वारा की गई सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्थाओं, बेहतर समन्वय एवं सतत निगरानी के चलते परीक्षा शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराई जा रही है। चमोली पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ यह सुनिश्चित कर रही है कि परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जाए।

हरिद्वार मुक्केबाजी संघ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार मुक्केबाजी संघ की आम बैठक उत्साह और खेल भावना के माहौल में संपन्न हुई। बैठक में जिले के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े मुक्केबाजी प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने भाग लेकर खेल गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की।इस अवसर पर 3 मई को आयोजित जिला मुक्केबाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। संघ की ओर से खिलाड़ियों को ट्रैकसूट और टी-शर्ट वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।कार्यक्रम में संघ के कोषाध्यक्ष सुधीर जोशी, राष्ट्रीय कवि संगम हरिद्वार के जिलाध्यक्ष एवं हरिद्वार मुक्केबाजी संघ के सह सचिव राकेश चौधरी तथा संघ के सचिव नवीन चौहान ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए खेलों के प्रति समर्पण बनाए रखने का आह्वान किया।

सह सचिव राकेश चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि हरिद्वार मुक्केबाजी संघ लगातार प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जिले की खेल प्रतिभाओं को निखारने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना विकसित करते हैं। संघ का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं को मुक्केबाजी से जोड़कर उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। बैठक के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में राधे-राधे बॉक्सिंग अकादमी के जेपी सैनी, आदित्य सैनी और सूरज कुमार, प्रहार बॉक्सिंग क्लब के किसन सिंह महर, पतंजलि कन्या गुरुकुलम की अश्वनी शर्मा, एलीवेट फिटनेस एवं बॉक्सिंग अकादमी के संगीत जोशी तथा वॉरियर बॉक्सिंग अकादमी रुड़की के दुष्यंत चौधरी और देवांश चौधरी शामिल रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भगवान भोलेनाथ एवं महाबली हनुमान जी की प्रतिमाओं का किया अनावरण

पथ प्रवाह, खटीमा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बंडिया क्षेत्र में भगवान भोलेनाथ एवं महाबली हनुमान जी की प्रतिमाओं का विधिवत अनावरण किया। इस अवसर पर क्षेत्र में श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण का विशेष माहौल देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और यहां की संस्कृति, परंपरा एवं धार्मिक आस्था हमारी पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का संरक्षण एवं विकास केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का भी माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित और विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान भोलेनाथ और महाबली हनुमान जी की प्रतिमाएं समाज में सकारात्मक ऊर्जा, श्रद्धा और जनकल्याण की भावना को और मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और संस्कारों को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को मिल रहे प्रोत्साहन पर प्रसन्नता व्यक्त की।

इस अवसर पर दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, रणजीत सिंह नामधारी, किशन सिंह किन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, अध्यक्ष नगर पंचायत नानकमत्ता प्रेम सिंह टुरना, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र राणा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तम सिंह नेगी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं जनता उपस्थित थे।

ऑपरेशन प्रहार: धाम की पवित्रता और कानून व्यवस्था से समझौता नहीं, 11 लोगों पर कार्रवाई

पथ प्रवाह, चमोली।

श्री बद्रीनाथ धाम क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत लगातार चेकिंग एवं सत्यापन अभियान निरन्तर जारी है।

इसी क्रम में धाम क्षेत्र में की गई सघन चेकिंग के दौरान बिना पुलिस सत्यापन के निवास कर रहे एवं सार्वजनिक स्थान पर न्यूसेंस फैलाने वाले 04 व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस अधिनियम के तहत 5,000-5,000 रुपये का जुर्माना लगाते हुए उन्हें तत्काल पुलिस सत्यापन कराने एवं भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। वहीं एक अन्य मामले में सार्वजनिक स्थानों पर न्यूसेंस फैलाकर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बने रहे 07 अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध भी पुलिस अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों की पुनरावृत्ति न करने की सख्त चेतावनी दी गई। चमोली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन प्रहार के तहत धाम क्षेत्र में बिना सत्यापन निवास करने, सार्वजनिक शांति भंग करने, संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त रहने अथवा धाम की गरिमा एवं व्यवस्था को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल, गैस सिलेंडर कंधों पर उठाकर प्रदर्शन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रविवार को रानीपुर विधानसभा क्षेत्र के शिवालिक नगर चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन कर महंगाई के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कंधों पर गैस सिलेंडर उठाकर विरोध जताया, सरकार विरोधी नारे लगाए और बाद में सरकार का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम जनता का जीवन मुश्किल बना दिया है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने का सीधा असर परिवहन, कृषि, व्यापार और रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं पर पड़ रहा है। इसके कारण बाजार में महंगाई लगातार बढ़ रही है और आम लोग आर्थिक दबाव झेलने को मजबूर हैं।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि घरेलू और व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी है। रसोई का बजट लगातार बिगड़ रहा है और परिवारों के लिए घरेलू खर्च चलाना चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने के बजाय जनता की समस्याओं से मुंह मोड़े हुए है।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव मनोज धनगर ने कहा कि भाजपा सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जबकि आम लोगों की आय में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जनता को राहत देने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार आज महंगाई के मुद्दे पर पूरी तरह असहाय दिखाई दे रही है।

मनोज धनगर ने कहा कि देश में बेरोजगारी और महंगाई दोनों चरम पर हैं। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और दूसरी ओर रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में आम आदमी सबसे अधिक आर्थिक संकट का सामना कर रहा है।

वहीं श्रमिक नेता राजबीर चौहान ने कहा कि महंगाई का सबसे अधिक असर मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों, छोटे व्यापारियों और निम्न आय वर्ग के लोगों पर पड़ रहा है। डीजल महंगा होने से खेती की लागत बढ़ रही है, जबकि पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव लगभग हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। उन्होंने सरकार से तत्काल बढ़ी हुई कीमतों को वापस लेकर जनता को राहत देने की मांग की। राव आफाक अली ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और महंगाई के मुद्दे पर भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पेट्रोल, डीजल और गैस के बढ़े हुए दाम वापस नहीं लिए गए तो कांग्रेस चरणबद्ध तरीके से आंदोलन को और तेज करेगी। आने वाले दिनों में जिलेभर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को महंगाई के खिलाफ एकजुट किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में तत्काल कमी करने की मांग करते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। उनका कहना था कि परिवहन खर्च बढ़ने से खाद्य पदार्थों सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भी लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे हर वर्ग प्रभावित हो रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार को जनता की परेशानियों को समझते हुए महंगाई पर नियंत्रण के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया तो पार्टी सड़क से लेकर सदन तक महंगाई के खिलाफ बड़ा जनआंदोलन खड़ा करेगी।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और आम जनता के हितों की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

हर्षिल पुलिस ने मासूम को ढूंढकर लौटाई परिजनों की मुस्कान

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। हर्षिल क्षेत्र के बगोरी गांव से 5 वर्षीय नन्ही बालिका नंदनी के घर से बिना बताए कहीं चले जाने की सूचना पर उत्तरकाशी पुलिस तत्काल सक्रिय हुई। प्रभारी निरीक्षक हर्षिल प्रदीप तोमर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित खोजबीन, पतारसी-सुरागरसी एवं स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाते हुए काफी तलाश के बाद बच्ची को बगोरी हेलीपैड के समीप से सकुशल बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि बच्ची घर का रास्ता भूलकर भटक गई थी। पुलिस ने नन्ही नंदनी को सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द कर उनकी खोई हुई मुस्कान लौटाई। साथ ही परिजनों को बच्चों पर विशेष ध्यान रखने तथा उन्हें अकेला न छोड़ने की सलाह दी गई। बच्ची के सकुशल मिलने पर उत्तरकाशी पुलिस का आभार व्यक्त किया।

उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने छबील लगाकर वितरित किया ठंडा शर्बत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सोमवती अमावस्या स्नान करने आए यात्रियों को चिलचिलाती गर्मी से राहत प्रदान के लिए उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने ठंडा शर्बत वितरित किया।

सोमवार को होने वाले सोमवती अमावस्या स्नान के लिए एक दिन पूर्व ही लाखों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे गए हैं। स्नान के लिए आए श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत देने के लिए उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने छबील लगाकर ठंडा शर्बत बांटा। सुनील अरोड़ा एवं राम अरोड़ा ने कहा कि सोमवती अमावस्या स्नान करने धर्मनगरी आए श्रद्धालुओं की सेवा करना पुण्य कार्य है। तेज गर्मी और उमस मे यात्रियों एवं राहगीरों को ठंडा शरबत वितरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा में कुछ समय अवश्य लगाना चाहिए। पानी पिलाना सबसे बड़ी मानव सेवा है। सभी को बाहर से आने वाले यात्री श्रद्धालुओं की सेवा अवश्य करनी चाहिए। सुनील अरोड़ा ने कहा कि उत्तरांचल पंजाबी महासभा के सभी सदस्य मिलकर सेवा कार्यों का संचालन करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने छुए विकास के नए आयाम, प्रबुद्ध वर्ग आगे आकर देश को महाशक्ति बनाने में दे अपना योगदान: आदेश चौहान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा गंगानगरी स्थित एक होटल में रानीपुर विधानसभा स्तरीय 'प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन' का वृहद आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में समाज के विभिन्न बौद्धिक क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजनों–जैसे वरिष्ठ चिकित्सकों, शिक्षाविदों, अभियंताओं (इंजीनियरों), अधिवक्ताओं, पूर्व सैन्य अधिकारियों, साहित्यकारों एवं प्रबुद्ध सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता भेल से सेवानिवृत्त मानव संसाधन महाप्रबंधक एस के अग्रवाल ने की।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि प्रबुद्ध वर्ग किसी भी समाज की रीढ़ होता है। जनमत तैयार करने और देश को सही दिशा देने में इस वर्ग की भूमिका सदैव निर्णायक रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल कार्यकाल में भारत ने 'विकसित भारत @2047 के संकल्प के साथ अभूतपूर्व प्रगति की है। देश की जनकल्याणकारी नीतियां, ढांचागत विकास और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख इस बात का प्रमाण हैं कि देश एक सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। जिला महामंत्री संजीव चौधरी ने केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचाना केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धि है। वैश्विक स्तर पर मजबूत कूटनीति, धारा 370 की समाप्ति और सांस्कृतिक पुनरुत्थानके साथ आर्थिक व ढांचागत विकास में भी प्रमुखता से हुआ है। सम्मेलन में प्रबुद्ध नागरिकों ने देश और क्षेत्र के विकास को लेकर अपने महत्वपूर्ण विचार और सुझाव साझा किए। भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रबुद्धजनों के सुझावों को नीति-निर्माण में शामिल करने का आश्वासन दिया। उपस्थित बुद्धिजीवियों ने एक सुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष विपिन शर्मा, वरुण वशिष्ठ, अशोक मेहता, आशीष झा, संदीप राठी, वरि.अधिवक्ता राजकुमार, तरसेम सिंह चौहान, गौरव कपिल, शिक्षाविद शशिभूषण पाण्डेय, रतनलाल, कवि सुभाष मलिक, रेखा सिंघल, डॉ रोहित सिंघल, बबीता योगाचार्य, मानवेंद्र पाठक, विकास जैन, राजकुमार यादव, रमेश पाठक, शिवशंकर पाण्डेय, पंकज चौहान, हरिओम चौहान, राकेश चौहान, अनुज चौहान, अजीत जैन, निर्मल सिंह, विरेन्द्र अवस्थी, मगेन्द्र सैनी, भारतभूषण चौहान, विकास राजपूत, राधेश्याम पाल, अनुज शर्मा, मनोज शर्मा, वरुण चौहान, ए के माथुर, मोहित शर्मा, रविन्द्र कुमार, योगेंद्र अग्रवाल सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में गणमान्य प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

कुंभ 2027 की तैयारी तेज: सोमवती अमावस्या के ट्रैफिक व भीड़ प्रबंधन का लिया गया जायजा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आगामी कुंभ मेला 2027 को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अभी से तेज कर दिया है। इसी क्रम में वर्तमान में आयोजित सोमवती अमावस्या स्नान पर्व के दौरान लागू यातायात एवं भीड़ नियंत्रण व्यवस्था का गहन अध्ययन किया जा रहा है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचा जा सके।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुंभ मेला 2027 आयुष अग्रवाल स्वयं इस पूरी व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने अपनी टीम के साथ हरिद्वार के प्रमुख भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया, जिसमें हर की पैड़ी, आसपास के घाट, मुख्य मार्ग एवं पार्किंग जोन शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की आवाजाही, बैरिकेडिंग, डायवर्जन प्लान और आपातकालीन निकासी मार्गों का बारीकी से मूल्यांकन किया।

एसएसपी आयुष अग्रवाल ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी पूरे शहर में वाहन एवं पैदल यातायात की स्थिति का अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ मेले के लिए एक ऐसी स्मार्ट और प्रभावी योजना तैयार की जाए, जिसमें आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग हो और भीड़ को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित किया जा सके।

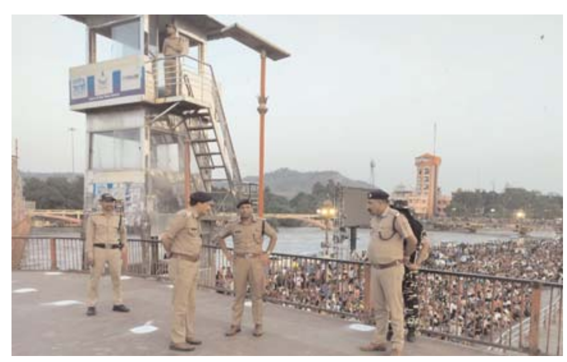

निरीक्षण के दौरान निरीक्षक योगेश देव एवं प्रतिसार निरीक्षक संजीव शर्मा भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों से फीडबैक लेकर व्यवस्थाओं में सुधार के सुझाव भी एकत्रित किए।

एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि बड़े धार्मिक आयोजनों के सफल संचालन के लिए वर्तमान आयोजनों से सीख लेना बेहद जरूरी है। इसी अनुभव के आधार पर कुंभ 2027 के लिए एक मजबूत, व्यवस्थित और जनहितकारी ट्रैफिक व भीड़ प्रबंधन योजना तैयार की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप के 40 झूठ पर भारी पड़ा ईरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध को लेकर अभी तक 40 बड़े झूठ बोले हैं। हर झूठ के बाद शेयर बाजार में उस झूठ का असर दिखा, लेकिन ईरान के ऊपर इसका कोई असर नहीं हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति के मसीहा बनना चाहते थे। उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद इजराइल और गजा का युद्ध बंद कराने की बात कही थी। उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच समझौता करने की बात कही थी। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप कहीं सफल नहीं हो पाए। उल्टे ईरान युद्ध में वह बुरी तरह से फंस गए हैं। जहां से अब उन्हें निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगता था वह दुनिया के सबसे बड़े शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति हैं, उनकी बात को सब मानेंगे। एक समय पर वह अपने आप को शांति के नोबेल पुरस्कार का हकदार मानकर चल रहे थे। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप इतना झूठ बोलने के बाद भी अपने मनोवांछित फल को प्राप्त नहीं कर पाए। इस दुख का एहसास डोनाल्ड ट्रंप से ज्यादा किसको हो सकता है। जिस ईरान पर पिछले 47 सालों से अमेरिका ने प्रतिबंध लगा कर रखा और ईरान की जनता को भारी कष्ट पहुंचाया। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई और हमले में 165 से ज्यादा जिन बच्चों की हत्या की थी, लगता है यह पाप ट्रंप का पीछा नहीं छोड़ रहा है। अमेरिका जैसे महा शक्तिशाली राष्ट्र के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान जैसा कमजोर देश इस तरह की चुनौती देगा यह उनके सपने में भी नहीं था।

ईरान ने जिस तरह से पिछले 4 महीने में अमेरिका को उसकी औकात दिखाई है इसकी कल्पना शायद किसी ने भी नहीं की थी। ईरान जैसा कमजोर देश, जिस पर इतने सारे प्रतिबंध लगे हों, अमेरिका ने जहां सत्ता पलटने की भरपूर कोशिशें कर लीं हों, आर्थिक दृष्टि से कमजोर ईरान उसे इस तरह से मात देगा। उसके कारण डोनाल्ड ट्रंप को इतने सारे झूठ बोलने पड़ेंगे। 40 झूठ बोलने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप अपने आप को इस युद्ध से बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौता हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आज 14 जून को जन्मदिन है। उन्होंने यह कहा था कि वह अपने जन्मदिन पर सारी दुनिया को एक तोहफा देने जा रहे हैं। लेकिन यह तोहफा भी वह नहीं दे पा रहे हैं। इस समझौता पत्र पर जिनेवा में हस्ताक्षर किया जाना था, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास आराघची ने यह कहकर समझौते पर पलीता लगा दिया है कि अभी समझौते की शर्तों पर सहमति नहीं बनी है। समझौते की शर्त पर सहमति बन जाने के बाद ईरान की सरकार जनता के सामने उन शर्तों को रखकर जनता की मंजूरी मिलने के बाद समझौते पर हस्ताक्षर करेगी। ईरान की राजनीति, कूटनीति और सामरिक रणनीति अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के लिए बहुत भारी पड़ी है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की रणनीति के सामने बेबस हो गए हैं। अगले कुछ ही महीनो में इजराइल में आम चुनाव होने जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू जिस तरह से इस युद्ध में पराजित हो रहे हैं, ऐसी स्थिति में राजनीति के क्षेत्र में इन दोनों नेताओं का जो दबदबा था वह दबदबा पूरी तरह से खत्म होने की कगार पर खड़ा हो गया है। ईरान, इजराइल और अमेरिका के इस युद्ध से राजनेताओं को सबक लेने की जरूरत है। आप कितने भी मजबूत हों लेकिन यदि किसी को जरूरत से ज्यादा आप परेशान करते हैं या दबाते हैं तो ऐसी स्थिति में कोई भी ताकत कम नहीं होती है। रूस महाशक्ति था, महाशक्ति है लेकिन एक यूक्रेन जैसे छोटे देश ने जिस तरह से रूस का मुकाबला किया है। ईरान जिसके ऊपर पिछले 47 वर्षों से तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर लगातार उसे कमजोर किया गया था, उसने भी अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की हत्या के बाद जिस तरह से अपने आप को बचाने के लिए हर तरह से मुकाबला किया, उसने सारी दुनिया को आश्चर्यचकित किया है।

सोमवती अमावस्या : श्रद्धा, विश्वास और लोकजीवन की आस्था का महापर्व

कांतिलाल मांडोत

भारतीय संस्कृति में तिथि, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं महत्वपूर्ण पर्वों में सोमवती अमावस्या का विशेष स्थान है। जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है, तब उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। वर्ष 2026 में यह पावन अवसर 15 जून को मनाया जा रहा है। इस दिन अमावस्या, सोमवार, पितृ स्मरण, शिव आराधना तथा दान-पुण्ग य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

सोमवती अमावस्या का लोकजीवन में बहुत बड़ी अहमियत है। श्रद्धा और विश्वास के साथ जुड़ी यह तिथि लोगों के उल्लास, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं तथा दान-पुण्य के माध्यम से समाज और धर्म के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं। सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करने का विशेष महत्व है। यदि गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान का अवसर प्राप्त हो जाए तो इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। जो लोग तीर्थस्थलों तक नहीं पहुंच पाते, वे घर पर स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करते हैं। स्नान के पश्चात भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं तथा सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की जाती है।

सोमवती अमावस्या पर पीपल वृक्ष की पूजा का भी विशेष महत्व है। भारतीय परंपरा में पीपल को देववृक्ष माना गया है। मान्यता है कि इसमें देवताओं का वास होता है। महिलाएं और पुरुष पीपल के वृक्ष की पूजा कर उसकी परिक्रमा करते हैं तथा परिवार के सुख, स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देती है। भारतीय संस्कृति ने वृक्षों को पूजनीय बनाकर पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी बढ़ावा दिया है।

लोकजीवन में सोमवती अमावस्या केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का भी पर्व है। इस दिन दान-पुण्य करने की परंपरा लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करती है। अन्न, वस्त्र, फल, मिठाई, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करके लोग समाज के कमजोर वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। इससे सामाजिक सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

भारत के विभिन्न राज्यों में सोमवती अमावस्या को अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। कहीं विशाल मेले लगते हैं तो कहीं धार्मिक यात्राएं निकाली जाती हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जाता है। परिवार के सदस्य एक साथ पूजा करते हैं और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं। इससे पारिवारिक एकता और सामाजिक जुड़ाव को भी बल मिलता है।

महिलाओं के लिए भी सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। अनेक महिलाएं इस दिन व्रत रखती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि तथा पति की दीर्घायु के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करती हैं। धार्मिक विश्वास है कि श्रद्धा और भक्ति से किया गया व्रत जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और मंगलकारी फल प्रदान करता है।

वर्ष 2026 की सोमवती अमावस्या को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इस दिन कई शुभ संयोग एक साथ बन रहे हैं। सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या, ज्येष्ठ अधिक मास का समापन और मिथुन संक्रांति जैसे योग इस दिन के धार्मिक महत्व को और अधिक बढ़ा रहे हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से भी इसे पुण्यकारी अवसर माना जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक प्राप्त होता है। सोमवती अमावस्या हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जहां लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं, वहीं ऐसे पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। पितरों का स्मरण केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अपनी विरासत, परिवार और संस्कारों के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है। आज के समय में जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा जीवन का प्रमुख हिस्सा बनती जा रही है, तब सोमवती अमावस्या जैसे पर्व हमें आध्यात्मिकता, सेवा, दया और परोपकार का संदेश देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, परिवार और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

नए जमाने में बुजुर्ग की हो रही है उपेक्षा

संजय गोस्वामी

आज नए जमाने में बुजुर्ग की उपेक्षा की हो रही है उपेक्षा का अर्थ किसी बात, व्यक्ति या परिस्थिति को नजरअंदाज करना, ध्यान न देना या महत्व न समझना है। इसे बोलचाल में लापरवाही, अनादर या तिरस्कार भी कहा जाता हैआज के ज़माने में, पैसे की बढ़ती अहमियत ने लोगों को इसे कमाने में इतना बिज़ी कर दिया है कि उनके पास दूसरों पर ध्यान देने का टाइम ही नहीं है। बच्चे अक्सर अपने माता-पिता की वैल्यू तभी तक करते हैं जब तक उनके पास पैसा होता है; एक बार पैसा खत्म हो जाने पर, बुजुर्गों की अहमियत खत्म हो जाती है और उन्हें सिर्फ़ बोझ समझा जाता है। 5. अपना फ़ायदाः नई पीढ़ी ज़्यादा सेल्फ़िश होती जा रही है। वे ज़्यादातर अपने फ़ायदे के लिए काम करते हैं, अपने परिवार के बुजुर्गों की देखभाल तभी करते हैं जब उन्हें विरासत में पैसा या प्रॉपर्टी मिलने की उम्मीद दिखती है; वे सिर्फ़ अपने फ़ायदे के लिए काम करते हैं। अपने बुजुर्गों के प्रति सेवा, दया और त्याग की भावना कम होती जा रही है, क्योंकि वे बुजुर्गों की देखभाल करने की ज़िम्मेदारी को अपनी आज़ादी में रुकावट मानते हैं। नतीजतन, वे अपने फ़ायदे के लिए बुजुर्गों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। बुजुर्गों की परेशानियाँः बुढ़ापे को ज़िंदगी का आखिरी पड़ाव माना जाता है–एक ऐसा पड़ाव जो अक्सर मुश्किलों से घिरा होता है–क्योंकि बुजुर्ग कई मुश्किलों से घिरे होते हैं जिनकी वजह से वे दूसरों से जुड़ाव बनाए नहीं रख पाते। समय के साथ समाज में तेज़ी से बदलाव हो रहे हैं। नई पीढ़ी पारंपरिक विचारों वाले लोगों को अपनी ज़िंदगी में शामिल करना सही नहीं समझती; नतीजतन, युवा बुजुर्गों के अनुभवों और नज़रिए को नज़रअंदाज़ करने लगते हैं। बुजुर्गों को होने वाली परेशानियाँ ज़्यादा साफ़ होती जा रही हैं, जबकि समाज में उनकी उपयोगिता कम होती दिख रही है। इन समस्याओं को इस तरह बताया जा सकता हैः 1. शारीरिक चुनौतियाँः बुढ़ापा ज़िंदगी का आखिरी दौर होता है, एक ऐसा समय जब शरीर अपनी ताकत खोने लगता है। इस दौरान होने वाले शारीरिक बदलाव किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा पर असर डालते हैं और कई तरह की परेशानियाँ पैदा करते हैं। जहाँ कुछ लोग साठ साल की उम्र में भी जवान दिखते हैं, वहीं दूसरों को उम्र से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है; कुल मिलाकर, बुजुर्गों को बढ़ती मुश्किलों और समाज में उनकी अहमियत में कमी का सामना करना पड़ता है। बुढ़ापा ज़िंदगी का आखिरी पड़ाव होता है, एक ऐसा समय जो अक्सर शारीरिक कमज़ोरी और काम करने की कम क्षमता से पहचाना जाता है। गुज़ारे के लिए दूसरों पर निर्भर होना ज़रूरी हो जाता है, और यही निर्भरता बुजुर्गों की परेशानियों की जड़ होती है। उन्हें अक्सर शारीरिक और आर्थिक रूप से घुटन भरी ज़िंदगी जीने के लिए मजबूर होना पड़ता है। चाहे वे पढ़े-लिखे हों या अनपढ़, इस समय उनकी ज़िंदगी अक्सर अस्थिर हो जाती है; उन्हें नई पीढ़ी के साथ तालमेल बिठाने में मुश्किल होती है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा बुढ़ापे में सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा झेलता है, और अक्सर पाता है कि नई पीढ़ी उन्हें ज़्यादा अहमियत नहीं देती। इंसानियत तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ती रहती है। बदलाव कुदरत का एक बुनियादी नियम है, लेकिन इंसानों ने अपनी दिमागी काबिलियत से भी बदलाव को आगे बढ़ाया है। नई सुविधाओं की लगातार तलाश इस तरक्की की चाहत को और बढ़ाती है। आज, इंसानियत तरक्की के उस शिखर पर पहुँच गई है जहाँ विकास की रफ़्तार बहुत तेज़ हो गई है। विकास की रफ़्तार काफ़ी तेज़ हो गई है, और शिक्षा तेज़ी से फैल रही है; शिक्षा से मिला ज्ञान लोगों की लाइफस्टाइल, खाने-पीने की आदतों और सोच में बड़े बदलाव ला रहा है। हर कोई मॉडर्न सुविधाओं से लैस ज़िंदगी चाहता है और ज़्यादा से ज़्यादा आराम पाने की होड़ में फँस गया है; इसी होड़ ने उनसे उनकी खुशी, शांति और सुकून छीन लिया है। वे तेज़ी से स्ट्रेस में आ रहे हैं। उनकी सोच में बड़े बदलाव आए हैं, जिससे आज का युवा पारंपरिक नियमों और पुरानी मान्यताओं से आज़ाद होना चाहता है। इसके उलट, पुरानी पीढ़ी इन बेलगाम बदलावों को मानने में मुश्किल महसूस करती है; वे अपने ज़माने के मूल्यों और आदर्शों को मानते हैं और इस बदलाव के लिए नए ज़माने और नई पीढ़ी को दोषी ठहराते हैं। लेकिन, नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी की सोच और उसूलों को नकार देती है, जिससे उनके बीच दरार पैदा होती है। परिवार में तालमेल की कमी हो जाती है, जिससे बुजुर्ग सदस्यों को परेशानी होती है। अगर पुरानी पीढ़ी यह मान ले कि यह युवाओं का ज़माना है–जो मॉडर्न माहौल में पैदा हुए हैं और स्वाभाविक रूप से आज के ज़माने 8द्व8द्वके हिसाब से जीना पसंद करते हैं–तो इससे मदद मिलेगी। बदलाव तो होना ही है; इसे कोई नहीं रोक सकता। क्योंकि इन बदलावों को रोका नहीं जा सकता, इसलिए समझदारी इसी में है कि हम अपनी सोच को जितना हो सके, बदलने की कोशिश करें। इससे नई पीढ़ी के साथ तालमेल बनता है और यह पक्का होता है कि परिवार में बुजुर्गों का सम्मान बना रहे। नतीजतन, परिवार का माहौल अच्छा बना रहता है, जिससे बुजुर्ग अपनी बाकी ज़िंदगी आराम और सुकून से बिता पाते हैं। पिछली सदी में इंसानी समाज ने बहुत तरक्की की है। सिर्फ़ सौ साल में, इंसानों ने कई आविष्कार किए हैं–जैसे रेडियो, कार,टेलीविज़न, कंप्यूटर, हवाई जहाज़, ऑटोमोबाइल, बसें, मोबाइल फोन , और लैपटॉप आदि –जो अब हमारी रोज़ाना की ज़रूरतों का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं; सच में, इंसानों के लिए यह सोचना भी मुश्किल है कि वे क्या कर सकते हैं।आज उनके बिना ज़िंदगी कितनी मुश्किल है। इस तरक्की ने इंसान को कई सुविधाएँ दी हैं, लेकिन उन्हें पाने की होड़ ने समाज के ताने-बाने को भी बिगाड़ दिया है। पुराने काम - जैसे खेती, दुकानदारी और मैन्युफैक्चरिंग - में बड़े बदलाव आए हैं। नई टेक्नोलॉजी की वजह से मेहनत वाले काम पुराने हो गए हैं, और अब मशीनें ऐसे काम कर रही हैं जिनमें पहले बहुत ज़्यादा मेहनत लगती थी। मॉडर्न सुविधाओं और रिसोर्स तक पहुँचने की चाहत आज के युवाओं को पुराने खानदानी बिज़नेस छोड़कर नौकरी की तलाश में दूर-दराज के इलाकों में जाने पर मजबूर कर रही है। ट्रांसपोर्ट के नए तरीकों - जैसे हवाई जहाज, ट्रेन और कार - की मौजूदगी ने युवाओं के लिए कहीं भी नौकरी ढूँढना मुमकिन बना दिया है, जिससे आखिर में जॉइंट फैमिली से न्यूक्लियर फैमिली में बदलाव आ रहा है। जैसे-जैसे युवा अपने गाँव और कस्बे छोड़कर दूर-दराज के इलाकों में जा रहे हैं, बुजुर्ग घर पर अकेले रह गए हैं।

क्या ओवेसी उत्तर प्रदेश में पार्टियों का समीकरण बिगाडेंगे ?

सौरभ वार्ष्णेय

5 राज्यों के चुनाव के बाद अब उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की चौपाल लगने लगी है। सभी पार्टियां खासकर उत्तर प्रदेश को देश की राजनीति वाला प्रदेश माना जाता है। ऐसे में वोट का ध्रवीकरण न हो ऐसा हो नहीं सकता। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जब भी मुस्लिम वोटों, सामाजिक समीकरणों और विपक्षी एकता की चर्चा होती है, तो असददुदीन ओवेसी का नाम स्वत सामने आ जाता है। 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी के बीच ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है और बहरेच से चुनावी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इससे एक बार फिर यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ है कि क्या ओवैसी वास्तव में प्रदेश की राजनीति का समीकरण बिगाड़ सकते हैं या उनका प्रभाव केवल राजनीतिक बहस तक सीमित रहेगा।

ओवैसी स्वयं को मुस्लिम समाज की स्वतंत्र राजनीतिक आवाज़ के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनका तर्क है कि मुसलमान केवल वोट बैंक बनकर न रहें, बल्कि अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी और नेतृत्व भी विकसित करें। यही कारण है कि उनकी पार्टी उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देती है जहाँ मुस्लिम आबादी निर्णायक भूमिका निभाती है। यह भी सच है कि अब तक उत्तर प्रदेश में एआईएमआईएम कोई बड़ा चुनावी प्रदर्शन नहीं कर सकी है। 2022 विधानसभा चुनाव में पार्टी का वोट प्रतिशत लगभग 0.43 प्रतिशत रहा और वह एक भी सीट नहीं जीत पाई। लेकिन राजनीति केवल सीट जीतने का खेल नहीं है। कई सीटों पर कुछ हजार वोट भी जीत-हार का अंतर तय कर देते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश, रोहिलखंड, पूर्वांचल और कुछ शहरी क्षेत्रों में एआईएमआईएम सीमित लेकिन प्रभावी वोट कटौती की क्षमता रखती है।

ओवैसी की सक्रियता से सबसे अधिक चिंता उन दलों को होती है जो मुस्लिम वोटों को अपने पारंपरिक समर्थन आधार के रूप में देखते हैं, विशेषकद्ध अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को। यदि मुस्लिम वोटों का छोटा हिस्सा भी एआईएमआईएम की ओर जाता है, तो कई करीबी मुकाबलों में विपक्षी उम्मीदवारों को नुकसान हो सकता है। यही कारण है कि ओवैसी को अक्सर वोट-कटर कहकर आलोचना की जाती है। हालाँकि एआईएमआईएम इस आरोप को खारिज करते हुए कहती है कि किसी समुदाय को अपना राजनीतिक प्रतिनिधि चुनने का लोकतांत्रिक अधिकार है और यदि अन्य दलों ने उस समुदाय की अपेक्षाओं को पूरा नहीं किया तो नए विकल्पों का उभरना स्वाभाविक है। बिहार और महाराष्ट्र में एआईएमआईएम ने कुछ क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराई है तथा स्थानीय निकायों में भी सफलता प्राप्त की है। इससे पार्टी का मनोबल बढ़ा है और वह उत्तर प्रदेश में भी अपने विस्तार की संभावनाएँ तलाश रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश की सामाजिक संरचना बिहार और महाराष्ट्र से अलग है। यहाँ जातीय समीकरण, क्षेत्रीय नेतृत्व और विशाल चुनावी भूगोल किसी भी नई पार्टी के लिए बड़ी चुनौती हैं। इसलिए एआईएमआईएम के लिए राज्यव्यापी प्रभाव स्थापित करना आसान नहीं होगा। ओवैसी फिलहाल उत्तर प्रदेश की सत्ता का सीधा विकल्प नहीं हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज करना भी राजनीतिक भूल होगी।एआईएमआईएम शायद सरकार बनाने की स्थिति में न पहुँचे, परन्तु कई सीटों पर जीत-हार का अंतर प्रभावित कर सकती है।

प्रबुद्ध वर्ग राष्ट्र और समाज को दिशा देने वाली शक्ति : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, खटीमा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा के निजी होटल में आयोजित प्रबुद्धजनों के साथ संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन, कृषि, साहित्य, उद्योग, अध्यात्म आदि विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि ज्ञान, चेतना और सांस्कृतिक विरासत की भूमि है। उन्होंने कहा कि समाज का प्रबुद्ध वर्ग राष्ट्र और समाज को दिशा देने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है, जिसके विचार आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का निर्माण करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रबुद्धजन समाज के 'ओपिनियन मेकर्स' होते हैं और उनके सुझाव राज्य के विकास की मजबूत आधारशिला बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में देश ने सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। गरीब कल्याण अन्न योजना, जनधन योजना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने कई ऐतिहासिक और साहसिक निर्णयों को साकार होते देखा है। धारा-370 हटाने, भव्य राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक से मुस्लिम महिलाओं को मुक्ति दिलाने और नागरिकता संशोधन कानून जैसे फैसलों ने नए भारत की मजबूत इच्छाशक्ति को प्रदर्शित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार भी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के समग्र विकास, सुशासन और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, खेल और हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही विभिन्न नई नीतियों के माध्यम से विकसित उत्तराखंड का मजबूत रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता लागू कर ऐतिहासिक कदम उठाया है, जिससे समाज में समानता और सामाजिक न्याय को मजबूती मिली है। साथ ही युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए देश का सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया, जिसके परिणामस्वरूप हजारों युवाओं को पारदर्शिता के साथ सरकारी नौकरियां प्राप्त हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मांतरण विरोधी कानून और दंगा विरोधी कानून लागू करने का उद्देश्य प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना तथा देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का निर्माण केवल सरकारें नहीं करतीं, बल्कि समाज की सोच, नागरिकों की सहभागिता और सामूहिक प्रयास उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने प्रबुद्ध वर्ग से आह्वान किया कि वे अपने अनुभव, ज्ञान और सुझावों से उत्तराखंड के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग से सकारात्मक सुझाव लेकर नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक, चिकित्सक, उद्योगपति, समाजसेवी और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अपने अनुभवों से समाज और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह बैठक केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि विकसित उत्तराखंड के निर्माण का एक वैचारिक मंच है।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी प्रबुद्धजनों का आभार व्यक्त करते हुए विकसित भारत और विकसित उत्तराखंड के निर्माण के महाअभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बंडिया स्थित निजी रिसॉर्ट में आयोजित मुख्य सेवक जन संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का फूल-मालाओं एवं तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में भारत ने विकास, आधारभूत संरचना, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत विश्व पटल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार भी 'विकल्प रहित संकल्प' के मूल मंत्र के साथ प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई, खेल एवं शहरी विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करना, देश का सख्त नकल विरोधी कानून लागू करना तथा भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए शुद्ध एवं पारदर्शी मतदाता सूची आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें, पात्र मतदाताओं के नाम सूची में जुड़वाने और त्रुटियों के सुधार में सहयोग करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती संस्थाओं पर विश्वास और जनभागीदारी से आती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विकसित भारत और विकसित उत्तराखंड के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने रिसॉर्ट में आयोजित टिफिन बैठक में पदाधिकारियों के साथ मध्याह्न भोजन किया एवं कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने संगठन को भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

इस अवसर पर दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, रणजीत सिंह नामधारी, किशन सिंह किन्ना, दर्जा राज्य मंत्री हुकम सिंह कुंवर, मोहन पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी, जिला पंचायत सदस्य सागर सिंह धामी, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, अध्यक्ष नगर पंचायत नानकमत्ता प्रेम सिंह टुरना, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र राणा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तम सिंह नेगी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं जनता उपस्थित रहे।

एक नजर

विनोद हत्याकांड में शामिल चार आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। जिले सहसपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बैरागीवाला में खेत में पानी चलाने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या के चार आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार शाम ग्राम बैरागीवाला में खेत में पानी चलाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान विशेष समुदाय के कई लोगों ने अशोक कुमार, विनोद कुमार और राजेश कुमार पुत्रगण भगवत प्रसाद के साथ मारपीट की, जिसमें तीनों घायल हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां विनोद कुमार की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच पूर्व से विवाद चल रहा था व पिछले कुछ दिनों से खेत में पानी छोड़ने को लेकर कहासुनी भी हुई थी। मृतक के भाई अशोक कुमार की तहरीर के आधार पर कोतवाली सहसपुर में मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों ने कार्रवाई करते हुए घटना में नामजद चार आरोपितों रज्जाक पुत्र मासूम, सलमान पुत्र युनुस, जावेद पुत्र मासूम व शहबाज पुत्र शहीद को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा अमन पुत्र मासूम, यूनूस पुत्र महबूब, इम्तियाज पुत्र शम्स, शहबाज, शराफत अली पुत्र स्व लियाकत, मासूम पुत्र महबूब आदिल पुत्र इम्तियाज, शमून पुत्र जब्बार व इन्तेजार के अलावा 30-40 अन्य व्यक्तियों को तलाश कर रही है और उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है व सभी आरोपितों के विरुद्ध साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने आमजन से शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि प्रकरण में शामिल सभी आरोपितों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

चारधाम यात्रा के लिए रविवार को 2681 यात्रियों ने कराया पंजीकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र में चारधाम यात्रा के लिए 2681 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। यमुनोत्री धाम के लिए 496, गंगोत्री धाम के लिए 503, केदारनाथ धाम के लिए 856, बद्रीनाथ धाम के लिए 805, हेमकुंड साहिब के लिए 21 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। इस तरह कुल 2681 यात्रियों द्वारा चारधाम के लिए अपना पंजीकरण कराया गया। ऋषिकुल मैदान यात्री पंजीकरण केंद्र से अब तक कुल 4 लाख 28 हजार 3 सौ 64 यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर अधिकार मित्रों ने किया रक्तदान, लोगों को किया जागरूक

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय अल्मोड़ा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनामिका सिंह के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। इस अवसर पर फ्रंट ऑफिस अधिकार मित्र विनीता आर्या सहित असीम ढाली, देवेश चंद्र भट्ट, शंकर सिंह, विकास कुमार, मोहिनी जोशी, दीप जोशी और हेम चंद्र तिवारी ने रक्तदान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को सुरक्षित रक्त की आवश्यकता, स्वैच्छिक रक्तदाताओं के जीवनरक्षक योगदान तथा नियमित रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। अधिकार मित्रों ने लोगों को नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी भी दी तथा जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए।कार्यक्रम में अधिकार मित्र भावना तिवारी, नीमा बिनवाल, संदीप सिंह नयाल और दया आर्या सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खटीमा में मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में निकली भव्य 'प्रगति पथ यात्रा', हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक किया प्रतिभाग

पथ प्रवाह, खटीमा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को अपने खटीमा प्रवास के दौरान भव्य 'प्रगति पथ यात्रा' में प्रतिभाग किया। खटीमा मुख्य मार्ग पर आयोजित इस यात्रा में हजारों की संख्या में युवा, मातृशक्ति, पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक तिरंगा लेकर शामिल हुए। पूरे मार्ग में देशभक्ति, विकास और जनसमर्थन का उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

प्रगति पथ यात्रा मुख्य चौराहे से होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क पहुंची, जहां मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत यात्रा का समापन शहीद स्थल पर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के लिए महान विभूतियों एवं शहीदों का योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री का विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस अवसर पर दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, रणजीत सिंह नामधारी, किशन सिंह किन्ना, दर्जा राज्य मंत्री हुकम सिंह कुंवर, मोहन पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी, जिला पंचायत सदस्य सागर सिंह धामी, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, अध्यक्ष नगर पंचायत नानकमत्ता प्रेम सिंह टुरना, सांसद प्रतिनिधि रविंद्र राणा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तम सिंह नेगी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं जनता उपस्थित रहे।

कैंची धाम स्थापना दिवस पर हाई अलर्ट: श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन हेतु प्रशासन मुस्तैद

पथ प्रवाह, नैनीताल।

बाबा नीम करौरी महाराज के पावन स्थापना दिवस के अवसर पर कैंची धाम में उमड़ी आस्था की विशाल भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क और सक्रिय नजर आई। आयुक्त कुमाऊं मंडल दीपक रावत, आईजी कुमाऊं निवेदिता कुकरेती एवं एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी.सी. ने स्वयं ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने पार्किंग स्थलों, कंट्रोल रूम, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखी जाएं।

पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती के साथ ही आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्लान लागू किया गया है। वाहनों की पार्किंग के लिए अलग-अलग स्थान चिन्हित किए गए हैं, जिससे मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही, श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस कर्मियों को प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि श्रद्धालुओं के सुरक्षित और सुलभ दर्शन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए हर स्तर पर समन्वय बनाकर कार्य किया जा रहा है, ताकि लाखों श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के बाबा के दर्शन कर सकें।

कैंची धाम में उमड़ी आस्था, सख्त सुरक्षा व्यवस्था और सेवा भाव से जुटा प्रशासन इस महापर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, सिविल जज ने भी किया महादान

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।

रविवार को भारतीय रेडक्रॉस समिति, स्वीप उत्तरकाशी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर तथा रेडक्रॉस भवन में विचार गोष्ठी व विशेष गहन पुनरीक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति अलख जगाने के साथ-साथ लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान के प्रति नागरिकों को जागरूक करना था। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि सचिन कुमार, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा फीता काटकर किया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट

उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सिविल जज सचिन कुमार ने स्वयं सबसे पहले रक्तदान किया और उपस्थित जनसमूह को इस महादान के लिए प्रेरित किया। उनके इस प्रेरणादायक कदम से उत्साहित होकर भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों व जवानों, पैरालीगल वालंटियर्स, अधिवक्ताओं और स्थानीय युवाओं ने शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रिकॉर्ड रक्तदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव डीएलएसए सचिन कुमार ने कहा कि रक्तदान ही एकमात्र ऐसा महादान है जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने सभी को नियमित व स्वैच्छिक रक्तदान करने तथा अपने परिजनों व मित्रों को भी इसके लिए प्रेरित करने की संकल्पना दिलाई।

रक्तदान शिविर के साथ ही स्वीप उत्तरकाशी के सहयोग से विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण मतदाता जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मतदाताओं और युवाओं को गणना प्रपत्र भरने की बारीकियों, मतदाता मैपिंग और मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वीप के पदाधिकारियों और वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि जिस तरह स्वस्थ समाज के लिए रक्त की उपलब्धता जरूरी है, उसी तरह एक सशक्त और जीवंत लोकतंत्र के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना अनिवार्य है। 'रक्तदान महादान' और 'कोई भी पात्र मतदाता न छूटे' के संकल्प के साथ क्षेत्र के नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई।

इस आयोजन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एस. रावत, भारतीय रेडक्रॉस समिति उत्तरकाशी के चेयरमैन माधव जोशी, रेडक्रॉस सचिव डॉ. रतन मणि भट्ट, स्वीप प्रभारी डॉ. शम्भू प्रसाद नौटियाल तथा स्वीप आइकन स्वाति नौटियाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों, रेडक्रॉस के स्वयंसेवकों और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का समापन मानवता की निरंतर सेवा करने, रक्तदान के प्रति राष्ट्रव्यापी जन-जागरूकता बढ़ाने और भविष्य में भी इस प्रकार के लोक-कल्याणकारी शिविरों के निरंतर आयोजन के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

एक नजर

15 लीटर कच्ची शराब समेत आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। आपरेशन प्रहार के तहत कच्ची शराब के अवैध धंधे पर कार्रवाई करते हुए थाना पथरी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 15 लीटर कच्ची शराब, भट्टी व शराब बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। नशे के अवैध कारोबार पर कड़ी कार्रवाई किए जाने के एसएसपी के निर्देशों के तहत एसआई विपिन कुमार ने सहयोगी पुलिस कांस्टेबल जयपाल चौहान, कांतिराम शर्मा व अनिल पंवार के साथ धालीवाल गांव में चेकिंग के दौरान चन्द्रपाल पुत्र करम सिंह को कच्ची शराब, भट्टी और शराब बनाने के उपकरणों समेत दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा–धर्मपाल सिंह

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ओबीसी समाज बैठक का आयोजन न्यू हरिद्वार स्थित सैन धर्मशाला में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जाट समाज के अध्यक्ष चौधरी विनोद मलिक एवं संचालन सैन धर्मशाला के महामंत्री धर्मपाल सिंह ने किया। बैठक को संबोधित करते धर्मपाल सिंह ने कहा कि अपने अधिकारों के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग को संगठित होकर संघर्ष करना होगा। समाज में राजनीतिक जनचेतना उत्पन्न करनी होगी। उन्होंने कहा कि समाज को जनसंख्या के आधार पर विधानसभा में प्रतिनिधित्व के लिए जनपद में अपनी राजनीतिक पहचान का परिचय देना होगा और आवाज को बुलंद करनी होगी। राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए प्रयास तेज करने होंगे। धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठित होकर अपनी एकता का परिचय दें और समाज की विभिन्न समस्याओं का मिलजुल हल करें। जाट समाज के अध्यक्ष चौधरी विनोद मलिक ने कहा कि संगठित होकर ही राजनीति और सामाजिक पहचान प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को भी आगे लाया जाए। पाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष ओमपाल सिंह पाल ने कहा कि देश निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले ओबीसी समाज के महापुरुषों की प्रतिमाएं चौक चौराहों पर स्थापित की जानी चाहिए, ताकि युवा वर्ग अपने महापुरूषों से प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा कि पढ़े लिखे युवाओं को सरकारी नौकरियां मिलनी चाहिए। जिससे समाज प्रगति और उन्नति कर सकेगा। मेधावी बच्चों को प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता है। बैठक में पूर्व बैठक की समीक्षा कर प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में चौधरी नरेश बालियान, विनोद मलिक, धर्मपाल सिंह ठेकेदार, ओमपाल सिंह पाल, राजाराम प्रजापति, रणधीर सिंह, भारत भूषण, प्रमोद कुमार, पार्षद अनुज सिंह, रविंद्र कुमार, पीयूष चौधरी, योगेंद्र सिंह, जेपी चाहर, मनोज मलिक, वीरपाल सिंह, महेंद्र सिंह वर्मा, सतीश मलिक, नरेश कुमार, सत्यवीर मलिक आदि शामिल रहे।

कैंचीधाम: बाबा के दरबार में 20 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

पथ प्रवाह, नैनीताल।

कैंची धाम में बाबा के दर्शनों को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं। स्थानीय जनता और होटल बुकिंग वालों को कोई आने जाने में किसी तरह की रोक-टोक नहीं है। अन्य सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए जगह-जगह से शटल सेवा लगातर चल रही है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि श्री कैंची धाम स्थापना दिवस एवं मेला-2026 के अवसर पर बाबा नीम करौली महाराज के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। 14 जून रविवार को दोपहर तक 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

बताया कि सोशल मीडिया पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा स्थानीय लोगों को रोके जाने संबंधी भ्रामक एवं तथ्यहीन सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने स्पष्ट किया कि कैंची धाम, गरमपानी, हरतपा एवं आसपास के क्षेत्रों के सभी स्थानीय

निवासी वैध पहचान पत्र दिखाकर निर्धारित व्यवस्था के अनुसार निर्बाध आवागमन कर सकते हैं। स्थानीय नागरिकों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक रोक-टोक नहीं की जा रही है। कैंची धाम क्षेत्र के होटलों में जिन श्रद्धालुओं की कन्फर्म बुकिंग है, उनके वाहनों को भी सत्यापन के उपरांत आगे जाने की अनुमति दी जा रही है। इस संबंध में एसपी ट्रैफिक, सीओ ट्रैफिक, एसएचओ भवाली सहित सभी जोनल एवं सुपर जोनल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु शटल सेवा लगातार संचालित की जा रही है तथा सभी शटल वाहन सुचारू रूप से चल रहे हैं।

यातायात को व्यवस्थित एवं नियंत्रित रखने के लिए स्टिकर सिस्टम प्रभावी रूप से लागू किया गया है। निर्धारित स्टिकर लगे वाहनों को ही आवागमन की अनुमति दी जा रही है, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी हुई है। मेला क्षेत्र में कहीं भी जाम की स्थिति नहीं है तथा यातायात व्यवस्था पूरी तरह सामान्य एवं नियंत्रण में है। नैनीताल पुलिस द्वारा यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने आमजन से अपील की है कि किसी भी भ्रामक सूचना अथवा अफवाह पर विश्वास न करें और सोशल मीडिया पर अपुष्ट जानकारियां प्रसारित करने से बचें। सभी श्रद्धालु एवं वाहन चालक पुलिस द्वारा जारी ट्रैफिक प्लान एवं निर्देशों का पालन करें, जिससे सभी को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यात्रा का लाभ मिल सके।

दक्ष बालाजी ऑर्थो हॉस्पिटल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रविवार को कनखल स्थित दक्ष बालाजी ऑर्थो हॉस्पिटल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ ऑर्थो एवं ट्रॉमा सर्जन डा.राकेश कुमार के संयोजन तथा मां गंगे ब्लड बैंक जगजीतपुर के सहयोग से आयोजित शिविर में 40 रक्तवीरों ने रक्तदान किया।

डा.राकेश कुमार सिंघल ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2004 से हर वर्ष 14 जून का विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए डा.सिंघल ने कहा कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान तीन से चार लोगों की जान बचा सकता है। रक्त से आरबीसी, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स जैसे घटकों को अलग कर मरीजों को नया जीवन दिया जाता है। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज की सेवा करना और रक्त बैंकों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। शिविर में स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर स्वैच्छिक रक्तदान किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर सुमित यशकल्याण, प्रतीक गुप्ता, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रदीप चौधरी, प्रदीप जोशी, आईएमए हरिद्वार के अध्यक्ष डा.विपिन मेहरा, सचिव डा. प्रेम लूथरा, डा.नीता मेहरा, डा.अनु लूथरा, डा.तरुण गुप्ता, डा.सीमा गुप्ता, डा.रविकांत शर्मा, डा.अक्षय शर्मा, निखिल वर्मा, संजय अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, ललित बत्रा, सीमा सिंहल, संदीप गोस्वामी, सतीश चौहान, सत्येंद्र चौहान, रवि चौहान, मुस्कान, रिया, मीना, दिशांत, आलिया नूर, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कमांडेंट दीपक बडोला, असिस्टेंट कमांडेंट शैलेंद्र सिंह धाकड़, राज मोहिनी, नरेश कुमार, ओमवीर सिंह, नवरत्न लाल एवं रूपन देवी आदि मौजूद रहे। मां गंगे ब्लड बैंक, दक्ष बालाजी ऑर्थो हॉस्पिटल के स्टाफ, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल भेल हरिद्वार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने शिविर के आयोजन में सहयोग किया।

शिव विहार विकास समिति के डा. केपीएस चौहान बने संरक्षक

डा. एसपी चमोली अध्यक्ष व सतीश चौहान चुने गए महामंत्री

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शिव विहार विकास समिति का पुनर्गठन किया गया है। पुनर्गठित समिति में सर्वसम्मति से डा. केपीएस चौहान संरक्षक, डा. एसपी चमोली अध्यक्ष, अविनेश कौशिक उपाध्यक्ष, सतीश चौहान महामंत्री, विनीत चौहान सचिव, सत्यपाल सिंह दीवान आडिटर, दीपक चौहान कोषाध्यक्ष, रामनाथ पटवारी प्रचार मंत्री, एडवोकेट कुशल पाल सिंह चौहान लीगल एडवाइजर, छोटे लाल शर्मा संगठन मंत्री तथा कविता गुप्ता संयुक्त सचिव चुनी गयी। कालोनीवासियों ने सभी पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। समिति के संरक्षक डा. केपीएस चौहान ने कहा कि सभी मिलकर कालोनी के विकास के लिए कार्य

करेंगे।

भारत ने पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए : अरुण सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों की परिवर्तनकारी यात्रा पर प्रबुद्ध जन संवाद

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों एवं 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को लेकर प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन मध्य हरिद्वार स्थित वैभव ग्रैंड होटल में किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्योगपतियों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों के साथ विस्तृत संवाद किया।

अपने संबोधन में अरुण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य हुआ है। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसानों की उन्नति, युवाओं को रोजगार के अवसर, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि 25 करोड लोग गरीबी रेखा से बाहर आए 4 करोड़ पक्के घर से सिर पर छत की गारंटी मिली 60 करोड लोगों का आयुष्मान भारत का लाभ मिला 3 करोड़ लखपति दीदी कर रही नारी सशक्तीकरण योजना का क्रियान्वयन। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। देश की सड़कों, रेल, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है।

कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि 'विकसित भारत-2047' केवल सरकार का लक्ष्य नहीं बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक संकल्प है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने प्रबुद्ध जनों से आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के विजन को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। संवाद कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा विभिन्न विषयों पर सुझाव प्रस्तुत किए। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं हरिद्वार जिला प्रभारी अनिल गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूती, आर्थिक सुधारों और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, भाजपा पदाधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रबुद्ध जन सम्मेलन में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दिनेश चंद्र शास्त्री, भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा, भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी, जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, राजकुमार अरोड़ा, पार्षद राजेश शर्मा, दीपांशु विद्यार्थी, तरुण नैयर, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रशांत शर्मा, राजेंद्र कटारिया, किशन बजाज, तुशांक भट्ट, पूर्व जिला अध्यक्ष संदीप गोयल, कामिनी सडाना, मृदुला शास्त्री, पारुल चौहान आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

यूकेएसएसएससी की स्नातक स्तरीय पुनर्परीक्षा संपन्न, 53.82% अभ्यर्थी हुए शामिल

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा रविवार को आयोजित स्नातक स्तरीय विभिन्न पदों की लिखित पुनर्परीक्षा जनपद अल्मोड़ा के 33 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। जिला प्रशासन की पुख्ता तैयारियों के बीच कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। जनपद के सभी 33 परीक्षा केंद्रों में कुल 8,171 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 4,398 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जबकि 3,773 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। जनपद में परीक्षा की कुल उपस्थिति 53.82 प्रतिशत दर्ज की गई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की थीं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा एवं निगरानी के समुचित प्रबंध किए गए थे। आयोग और शासन के दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन किया गया। अभ्यर्थियों की सघन जांच के बाद ही केंद्रों में प्रवेश दिया गया। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर शांति व्यवस्था बनी रही। किसी भी परीक्षा केंद्र से पेपर लीक, नकल या अन्य किसी प्रकार के व्यवधान की सूचना प्राप्त नहीं हुई। प्रशासन ने परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए उड़नदस्तों की तैनाती भी की थी। जिलाधिकारी ने परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों और पुलिस बल को बधाई दी है।

पूर्व सैनिक के पुत्र सेना में बने लेफ्टिनेंट, क्षेत्र में खुशी की लहर

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। तहसील स्याल्दे अंतर्गत ग्राम पंचायत पालपुर देघाट के लाल गजेंद्र बंगारी बीते दिवस आईएमए देहरादून की पासिंग आउट परेड में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने हैं। जिससे स्याल्दे -देघाट क्षेत्र में खुशी की लहर है। गजेंद्र बंगारी के पिता बालम सिंह बंगारी पूर्व सैनिक हैं। उनकी मेहनत,लगन से मिली इस महत्वपूर्ण सफलता पर विधायक सल्ट महेश जीना, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नेगी, ब्लॉक प्रमुख स्याल्दे मथुरा दत्त, कुंदन लाल, सुमित मनराल, करन जीना सहित अनेकों लोगों ने बधाई दी है। तथा कहा है गजेंद्र की यह सफलता पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए एक मिशाल व प्रेरणा है।

प्रैस क्लब में किया गया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

रविवार को प्रैस क्लब में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रैस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी व महासचिव सूर्यकांत बेलवाल ने किया। स्वास्थ्य शिविर में मेदांता द मेडिसिटी गुरुग्राम के विशेषज्ञ चिकित्सकों डा. मयंक सिंह, डा. दीपांशु राव एवं उनकी टीम के प्रदीप राय, मोहम्मद असद, आरती, दुलारी, खुशबू, सचिन, पवन, शिवम ने पत्रकारों एवं उनके परिजनों की रक्तचाप, रैंडम ब्लड शुगर, बॉडी मास इंडेक्स, फेफड़ों की कार्यक्षमता एवं ब्रीथोमीटर, बोन मिनरल डेंसिटी, ईसीजी, कार्डियोलॉजी आदि जांच कर उचित परामर्श दिया।

प्रैस क्लब अध्यक्ष एवं महासचिव ने मेदांता के चिकित्सकों और उनकी टीम को अंगवस्त्र प्रदान कर आभार व्यक्त किया। धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी दिनचर्या में नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच अवश्य करानी चाहिए। जिससे समय रहते स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या का पता लगाया जा सके। स्वास्थ्य शिविर में बालकृष्ण शास्त्री, श्रवण झा, शिवा अग्रवाल, राहुल वर्मा, कुलभूषण शर्मा, रामचंद्र कन्नौजिया, दीपक नौटियाल, कुशलपाल चौहान, संजीव शर्मा, रजनीकांत शुक्ल, प्रदीप गर्ग, शिवकुमार शर्मा, महेश पारीख, कुणाल दरगन, पुलकित शुक्ला, सुमित यश कल्याण, राजकुमार पाल, जहांगीर मलिक आदि पत्रकार शामिल रहे।

पुलिस के सुरक्षा इंतजामों और नशा मुक्ति अभियान की महिलाओं ने की सराहना

पथ प्रवाह, चमोली।

चौकी प्रभारी घांघरिया अमनदीप सिंह द्वारा महिला मंगल दल पुलना की महिलाओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिलाओं को नशा उन्मूलन, साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गई।

इस अवसर पर महिलाओं को साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने तथा नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया। साथ ही यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिस द्वारा की जा रही सतत कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी दी गई।

महिलाओं द्वारा पुलिस प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया गया तथा कहा गया कि नशे पर रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था के कारण यात्रा सुचारू एवं सुरक्षित रूप से संचालित हो रही है। बैठक में महिला मंगल दल पुलना की अध्यक्ष हेमवंती चौहान, सचिव सम्पति देवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

दीक्षांत समारोह के लिए शोभा यात्रा की हुई रिहर्सल

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर आज शिक्षा संकाय बीएड फैकल्टी से अकादमिक शोभा यात्रा की रिहर्सल हुई। साथ ही कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने तैयारियों का जायजा लिया। शोभायात्रा के रिहर्सल के दौरान क्षण-प्रतिक्षण कार्यक्रम को जांचा-परखा गया।

कुलपति प्रो. बिष्ट द्वारा शिक्षा संकाय में तैयारियों को लेकर सभी समितियों के संयोजकों और सदस्यों की बैठक लेकर निर्देशित किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ देवेंद्र सिंह बिष्ट द्वारा आयोजन की तैयारियों की जानकारी दी। रिहर्सल के दौरान दीक्षांत समारोह के संयोजक प्रो. डी. के. भट्ट, परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट, प्रो. ए. के. नवीन (संकायाध्यक्ष, विधि), प्रो हरीश जोशी (संकायाध्यक्ष, कला), प्रो. शेखर चन्द्र जोशी (संकायाध्यक्ष, दृश्यकला), डॉ. एच. आर. कौशल (संकायाध्यक्ष, वाणिज्य), प्रो. रिजवाना सिद्धिकी (संकायाध्यक्ष, शिक्षा), कुलानुशासक डॉ दीपक सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और विभिन्न समितियों के संयोजक एवं सदस्य उपस्थित रहे।

हरिद्वार में श्रद्धालुओं का सैलाब, शहरभर में लगा भीषण जाम — गूगल मैप ने भी घुमाया गोल-गोल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सोमवती अमावस्या स्नान पर्व से ठीक पहले धर्मनगरी हरिद्वार में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रविवार सुबह से ही राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रमुख संपर्क मार्गों और शहर की आंतरिक सड़कों पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता गया, जिससे कई स्थानों पर भीषण जाम की स्थिति बन गई। श्रद्धालुओं को अपने गंतव्य तक पहुंचने में घंटों का समय लग रहा है।

स्थिति इतनी जटिल हो गई कि डिजिटल नेविगेशन प्लेटफॉर्म भी जवाब देते नजर आए। गूगल मैप के सहारे वैकल्पिक रास्ते तलाशने वाले कई श्रद्धालु शहर की संकरी गलियों और जामग्रस्त मार्गों में भटकते रहे। इससे पुलिस और प्रशासन की मुश्किलें और बढ़ गईं।

सोमवती अमावस्या के धार्मिक महत्व के चलते एक दिन पहले ही श्रद्धालुओं का रेला हरिद्वार पहुंचने लगा था। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और हरकी पैड़ी समेत प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रशासन के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से ट्रैफिक व्यवस्था पर

अतिरिक्त दबाव पड़ गया।

यातायात नियंत्रण के लिए प्रशासन ने ऋषिकुल तिराहे से हरकी पैड़ी तक के क्षेत्र को जीरो जोन घोषित किया था, जहां वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाई गई। श्रद्धालुओं को पैदल या निर्धारित वैकल्पिक साधनों से आगे बढ़ने की व्यवस्था की गई। इसके बावजूद आसपास के क्षेत्रों में जाम की स्थिति बनी रही।

शहर के शंकर आश्रम से ऋषिकुल तिराहे तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जबकि कनखल क्षेत्र में भी हालात बेहद खराब रहे। हाईवे पर भी सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक वाहन चलने से यातायात की रफ्तार बेहद धीमी हो गई। कई श्रद्धालुओं को कुछ किलोमीटर की दूरी तय करने में एक से दो घंटे तक का समय लग गया।

भीषण गर्मी और उमस के बीच पुलिसकर्मी, होमगार्ड और प्रशिक्षु जवान लगातार ड्यूटी पर मुस्तैदी से तैनात रहे। ट्रैफिक पुलिस के जवान प्रमुख चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करते दिखाई दिए और श्रद्धालुओं को वैकल्पिक मार्गों की जानकारी देते रहे।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम के माध्यम से भीड़ और यातायात की निगरानी की जा रही है, जबकि आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मुख्य स्नान दिवस पर श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसे में लोगों से ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और अनावश्यक रूप से निजी वाहनों का प्रयोग न करने की अपील की गई है।

आस्था और श्रद्धा के इस महापर्व पर हरिद्वार में उत्साह अपने चरम पर है, लेकिन भीड़ के चलते उत्पन्न यातायात दबाव प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। आने वाले घंटों में हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, जिसे देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ मोर्चा संभाले हुए हैं।

एक नजर

सीवरेज के लिए खोदी गई सड़कों को किया जा रहा ठीक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार शहर के अंतर्गत सीवरेज कार्य हेतु खोदी गई सड़कों से क्षेत्रीय जनता, व्यापारियों को हो रही परेशानी के दृष्टिगत जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निर्माण कार्यों को त्वरित गति से दिन रात कार्य करते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। जिसके अनुपालन में कार्य तीव्र गति से किए जा रहे है। परियोजना प्रबंधक निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा उत्तराखंड पेयजल निगम मिनाक्षी मित्तल ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में केएफडब्लू वित्त पोषित हरिद्वार जलोत्सारण योजना पैकेज 01 एवं पैकेज 02 के अंतर्गत कराए जा रहे सड़क पुनर्निमाण संबंधी कार्य जिसके तहत 13 जून को किए गए निर्माण कार्यों का विवरण निम्नवत है जिसमें- पैकेज 01 के अंतर्गत है नियर एसपीएस भूपतवाला पुलिया सीसीआर (एम 30 वर्क) 6.6 मीटर कार्य पूर्ण हो चुका है,कुल 6.6 मीटर कार्य पूर्ण हो चुका है तथा पैकेज 02 के अंतर्गत गणपतिधाम फेस 3 पावर ब्लॉक 85 मीटर,गणपति धाम फेस 2 सीसी रोड 38 मीटर, राजविहार फेस 1 पावर ब्लॉक 23 मीटर,मोहन इंक्लेव सीसी रोड 37 मीटर,शिवानीपुरम सीसी रोड 20 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा कुल 213 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सड़कों का कार्य दिन-रात त्वरित गति से किए जा रहे है।

विश्व साइकिलिंग दिवस पर फिटनेस की अलख, 41 साइकिल चालकों ने लिया हिस्सा

पथ प्रवाह, रानीखेत। विश्व साइकिलिंग दिवस के अवसर पर रानीखेत माउंटेनियरिंग एंड आउटडोर क्लब द्वारा उत्तराखंड साइक्लिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित साइक्लिंग रैली (फन राइड) में युवाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन में 9 वर्ष से लेकर 54 वर्ष तक की आयु के कुल 41 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

रैली का उद्देश्य लोगों को नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा बढ़ते डिजिटल स्क्रीन समय से दूरी बनाकर सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। प्रतिभागियों का उत्साह पूरे आयोजन के दौरान देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुमाऊं रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विजयंत महादिक एवं उनकी धर्मपत्नी मनीषा महादिक रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य कमलेश जोशी उपस्थित रहे।

गंगोत्री से गंगासागर योग अभियान के तहत परमार्थ निकेतन में गूंजा योग का संदेश

पथ प्रवाह, पौड़ी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय द्वारा देशभर में संचालित विशेष योग अभियान 'गंगोत्री से गंगासागर' के तहत रविवार को परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधकों, स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा आयुष विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभाग कर योग के प्रति अपनी आस्था एवं प्रतिबद्धता व्यक्त की।

आयुष मंत्रालय के निर्देशन में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के काउंटडाउन आयोजनों की श्रृंखला का हिस्सा है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) निर्धारित की गयी है, जिसके माध्यम से सभी आयु वर्ग के लोगों को योग अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां गंगा की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की अधिकारी इंदु शर्मा ने उपस्थित साधकों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऋषिकेश विश्व में योग की राजधानी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से सरकार योग को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक नागरिक को इसके लाभों से जोड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती

एवं साध्वी भगवती सरस्वती का आभार व्यक्त करते हुए योग के प्रचार-प्रसार में संस्थान की भूमिका को प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम के दौरान कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। साध्वी भगवती सरस्वती ने विशेष निर्देशित ध्यान (गाइडेड मेडिटेशन) सत्र का संचालन करते हुए मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन एवं सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला।

समापन अवसर पर स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की तनावपूर्ण जीवनशैली में योग स्वस्थ, संतुलित और आनंदमय जीवन का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने सभी से नियमित योगाभ्यास अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि योग जीवनभर स्वस्थ रहने का सरल, सुलभ और प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से जुड़े कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने की अपील की।

इस अवसर पर अपर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. वंदना डंगवाल, डॉ. के.के. पाण्डेय, डॉ. आनंद कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सुरेन्द्र चौधरी, फार्मेसी अधिकारी नरेंद्र राणा, मनोरमा रावत, दिलीप सिंह, योग प्रशिक्षक राकेश सेमवाल, अरुण कुमार एवं मेनका सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परमार्थ निकेतन की नंदिनी द्वारा किया गया।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति मेगा कैंप का आयोजन 15 जून को बहादराबाद में

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा वित्तीय समावेशन को पूर्ण संतृप्ति तक ले जाने के उद्देश्य से पंजाब नेशनल बैंक द्वारा दिनांक 15 जून 2026 को गणपति फार्म, बहादराबाद (हरिद्वार) में एक वित्तीय समावेशन संतृप्ति मेगा कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस मेगा कैंप में पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख श्री रंजन प्रकाश, लीड बैंक मैनेजर (एलडीएम) हरिद्वार दिनेश गुप्ता तथा एसएलबीसी के वरिष्ठ अधिकारीगण सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि एवं बैंक अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कैंप का उद्देश्य वित्तीय समावेशन से वंचित व्यक्तियों को बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना है। शिविर के दौरान पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), अटल पेंशन योजना (APY) एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इसके अतिरिक्त मौके पर ही री-केवाईसी (Re-KYC), सी-केवाईसी (CKYC), नामांकन (Nomination) की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी तथा निष्क्रिय (Inoperative) खातों को पुनः सक्रिय करने की प्रक्रिया भी संपन्न की जाएगी। जिन खाताधारकों ने अभी तक नामांकन नहीं कराया है, उन्हें नामांकन की सुविधा प्रदान की जाएगी। मेगा कैंप में आमजन को डिजिटल बैंकिंग एवं साइबर/डिजिटल फ्रॉड से बचाव के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा, जिससे वे सुरक्षित एवं सशक्त बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें। पंजाब नेशनल बैंक एवं लीड बैंक कार्यालय हरिद्वार द्वारा क्षेत्र की समस्त जनता, विशेषकर ग्रामीण नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस मेगा कैंप में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें, उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com